

Synonym von खेट aufgefasset.

पुरावती (von पुर) f. die Burgenreiche, N. pr. eines Flusses MBh. 6, 331 (VP. 183). — Vgl. पुरमालिनी.

पुरावसु (पु० + व०) m. Bein. Bhishma's TRIK. 2, 8, 12.

पुराविद् (पु० + विद्) adj. die Dinge der Vorzeit kennend Cit. bei Śā. zu RV. 5, 78, 5. M. 9, 42. MBh. 4, 1531. 13, 5026. RAĞH. 11, 10. 18, 22. KUMĀRAS. 5, 28. 6, 9. RĀGA-TAR. 5, 148. BHĀG. P. 5, 15, 7. ÇIVA-P. in Verz. d. Oxf. H. 64, a, 25. PRAH. 80, 14. Beiw. der Könige MBh. 3, 12706. — Vgl. पुराणविद्.

पुरावृत्त (पु० + वृ०) adj. in alten Zeiten geschehen, längst verflossen: द्वापरं VĀJU P. in Verz. d. Oxf. H. 54, 28. der in der alten Zeit gelebt hat: विश्वामित्रादयः MBh. 14, 2842. auf die alte Zeit bezüglich: कथाः 3, 12602. 8, 2028. n. die Art und Weise, wie Jemand ehemals verfahren ist, eine Begebenheit aus der alten Zeit AK. 1, 1, 5, 5. H. 259. इति राज्ञो पुरावृत्तमपि जल्पन्ति साधवः MBh. 12, 2885. अत्राप्युराकृत्तीममितिकामं पुरातनम्। अगस्त्यस्य महायज्ञे पुरावृत्तम् 14, 2849. R. GOB. 1, 52, 16. कृतं ते कथयिष्यामि पुरावृत्तम् MBh. 13, 2642. निदर्शनैः पुरावृत्तैः साहित्यः MĀRK. P. 123, 48. इति कल्पव्ययं पुरावृत्तसूचनार्थम् KULL. zu M. 2, 151. 8, 116. पुरावृत्तकथोद्धारैः Spr. 1803.

पुरासाहू (पु० + साहू) adj. (nom. ० षाड्; vgl. P. 8, 3, 56) etwa von jeher überlegen: यद्वावानं पुरुतमं पुराषाळा वृत्रहेन्दो नामान्यप्राः RV. 10, 74, 6.

पुरासिनी f. eine best. Schlingpflanze, = सक्देवी RĀGAN. im ÇKDR.

पुरामुहद् (पुर + असु०) m. der Feind Pura's, Bein. Çiva's H. 200. — Vgl. पुरुजित्.

पुरिर् UṆDIS. 4, 142. 1) f. a) Stadt (vgl. पुर, पुरी) BHAR. zu AK. ÇKDR. UĀGVAL. — b) Fluss UĀGVAL. — 2) m. König Schol. zu UṆ. 4, 144.

पुरिका (von पुरी) f. N. pr. einer Stadt MBh. 12, 4085. HARIV. 5223. 3227.

पुरितत् fehlerhafte Schreibart für पुरीतत् LOIS. zu AK. 2, 6, 2, 17. पुरितत् COLEBR.

पुरिशयं (पुरि, loc. von पुर, + शय) adj. in der Burg (im Körper) ruhend, ein zur Erkl. von पुरुष gebildetes Wort, ÇAT. Br. 14, 3, 5, 13. PRAÇNOP. 3, 5. NIR. 2, 3.

पुरी s. u. पुर.

पुरीकय m. ein best. Wasserthier AV. 11, 2, 25.

पुरीतत् n. VS. PRĀT. 3, 128. Herzbeutel oder ein anderes Eingeweide der Herzgegend: हृदय, यकृत्, पु० AV. 9, 7, 11. ज्ञोमन्, हृदय, पु० 10, 9, 15. VS. 23, 8. 39, 9. ÇAT. Br. 8, 5, 4, 6. 14, 5, 4, 21. KĪTJ. ÇR. 6, 7, 11. Eingeweide überh. AK. 2, 6, 2, 17. H. 603. HALĀJ. 3, 13. m. n. VĀKĀSPATI beim Schol. zu H. 603.

पुरीदास (पु० + दास) m. N. pr. des Verfassers des चैतन्यचन्द्रोदय; sein zweiter Name ist कविकर्णपूर.

पुरीमोह (पु० + मोह) m. Stechapfel ÇABDAM. im ÇKDR. — Vgl. मोहन.

पुरीष UṆDIS. 4, 27. 1) u. SIDDH. K. 249, b, 5. a) Dunst, in die Luft steigende Flüssigkeit; viell. Nass überh.; = उदक NAIGH. 1, 12. NIR. 2, 22. उच्यन्समुद्राडुत वा पुरीषात् RV. 1, 163, 1. आ याबिन्त्रो दिव आ पृथिव्या मन्तु समुद्राडुत वा पुरीषात् 4, 21, 3. पर्सन्यवाता पृथिव्याः पुरीषाणि त्रिन्वत्समप्यानि 6, 49, 6. अत्रः सूर्यस्य बृहत्तः पुरीषात् 10, 27, 21. 23. यया वृषिणवङ्कुराया पुरीषम् 5, 45, 6. Wasser: यथा पुरीषं नद्यः समुद्रम-

कारत्रे अग्रमादं तरति KAUC. 98. — b) (Staub, alles Zerbröckelte) Schutt, lose Erde, Geröll u. s. w.: was zur Ausfüllung der Zwischenräume bei Mauerwerk und dergl. dient (vgl. करोष): अग्नेः VS. 5, 13. 12, 46. 13, 31. अग्राम् 53. पृथिव्याः 14, 4. 38, 21. प्रजा वै पशवः पुरीषम् kleineres Beiw. TS. 2, 6, 4, 3. पुरीषं वै मध्यमात्मनः 5, 3, 5, 2. 1, 4, 2. पुरीषेणाभ्यूहति 2, 3, 7, 6, 4. 10, 3. ÇAT. Br. 1, 2, 5, 17. 2, 1, 2, 7. 8, 1, 4, 10. 5, 4, 4. 7, 4, 12. KĪTJ. ÇR. 2, 6, 11. 8, 6, 15. 16, 5, 10. 17, 7, 10. स० 9. ÇAT. Br. 12, 5, 3, 5. वेदि० ĀÇV. GRHJ. 1, 5. Daher heissen so grössere Ausfüllstücke, vollständig पुरीषपद, in der Recitation der sog. Mahānāmi-Verse ÇĀNEB. Br. 23, 2. PAÑĀV. Br. 13, 4, 12. 13. ĀÇV. ÇR. 7, 12. LĪTJ. 4, 10, 18. 7, 5, 7, 8, 7. 10, 2, 10. ANUPADA 4, 2. सपुरीषपद adj. ĀÇV. ÇR. 7, 12. 8, 14. Hierher wohl auch पुरीषमाश्रवणम् als N. eines Sāman Ind. St. 3, 223, a. — c) Unrath, Koth, die Excremente AK. 2, 6, 2, 19. 3, 4, 30, 233. H. 634. HALĀJ. 3, 15. ÇAT. Br. 6, 7, 4, 10. यन्मूत्रं करोति यत्पुरीषम् 7, 1, 2, 15. KĪTJ. ÇR. 9, 6, 23. KAUC. 48. ÇĀNEB. GRHJ. 4, 12. M. 3, 133. नाप्सु मूत्रं पुरीषं वा शीवनं वा समुत्सृजेत् 4, 56. पुरीषोत्सर्गं कृत्वा HIT. 83, 9. पुरीषोत्सर्गमाचरन् PAÑĀV. 29, 25. अन्नमशितं त्रेधा विधीयते तस्य यः स्थविष्ठो धातुस्तत्पुरीषं भवति यो मध्यमस्तन्मांसं यो ऽणिष्ठस्तन्मनः KĀND. UP. 6, 5, 1. पुरीषादुत्सृजन् GOBH. 4, 9, 18. M. 3, 250. 3, 123. 6, 76. 11, 154. पुरीषमुपस्तम्भं वाय्वग्निधारणं च SUÇR. 1, 48, 12. ० नय 49, 8. मूत्रपुरीषवृद्धि 118, 6. 10. 132, 8. ० निप्ररूपा stopfend WISE 137. — Spr. 1453. 2160. 2227. VARĀH. BRH. S. 50, 18. निःपुरीषं कृत्वा von Unrath rein ĀÇV. ÇR. 6, 10. पुरुषादपुरीष als Schimpfwort BHĀG. P. 9, 10, 22. स्यात्सी० die am Kessel hängenden Reste 5, 9, 12. — 2) f. ई Bez. einer best. religiösen Feiertag: पुरीष्यग्निष्टौ BHĀG. P. 3, 12, 40. = पुरीषीचयन Schol. — Wohl von 1. पुर. Vgl. वि०.

पुरीषण (von पुरीष्य्) 1) n. Leibesentleerung, das Scheissen VARĀH. BRH. S. 44 (43), 12. — 2) m. Unrath, Koth, die Excremente TRIK. 2, 6, 20.

पुरीषम m. eine Art Bohne (s. माष) TRIK. 2, 9, 5. — Scheint पुरीष zu enthalten.

पुरीष्य् (von पुरीष) den Koth von sich geben, scheissen; s. पुरीषया. पुरीषितं beschissen gaṇa तारकादि zu P. 5, 2, 36 (von पुरीष abgeleitet).

पुरीषवत् (von पुरीष) adj. mit Schutt, Füllsel, Botwerk u. s. w. versehen: वेदि TS. 2, 6, 4, 3. प्रज्ञैवेनं पशुभिः पुरीषवत् करोति ebend. इष्टका 5, 3, 5, 2. ÇAT. Br. 8, 5, 4, 16. 6, 2, 14. चिति 9, 3, 2, 11. KĪTJ. ÇR. 17, 7, 1. 12, 16.

पुरीषवृहण und ०वाहन (पु० + वाहन) ved. adj. P. 3, 2, 65. Schutt —, Abfall wegschaffend: पृथुर्वच सुषदस्त्वमग्नेः पुरीषवृहणः VS. 11, 44. ०वाहन TS. und KĪTJ. in der Parallelstelle. P., Sch.

पुरीषाधान (पु० + आधान) n. Mastdarm JĀN. 3, 94.

पुरीषित s. u. पुरीष्य्.

पुरीषेन् (von पुरीष) adj. 1) dunstig, feucht: die Marut ĀV. 5, 53, 5. Parganja-Vāta 10, 63, 9. पञ्चपादं पितरं द्वादशाकृतिं दिव आहुः परे अर्थे पुरीषिणाम् 1, 164, 12. — 2) entweder als Beiw. der Sarajū Geröll führend oder f. N. pr. eines besondern Flusses RV. 5, 33, 9. — 3) mit Füllwerk, ἐπιπλά, d. h. mit Geräte, beweglicher Hube versehen, reich ausgestattet: अकृमेतं गव्यमश्वं पशुं पुरीषिणं सार्थकेना किरणययम्। पूत्रं सृष्ट्वा नि शिशामि दाशुषे RV. 10, 48, 4. पुरीषिणः प्रथमानाः पुरस्तादाशु-